D.El.Ed 2nd Sem

Hindi

14 May 2020

Thursday

संज्ञा

"किसी प्राणी, वस्तु, स्थान अथवा भाव के नाम का बोध कराने वाले शब्द"
जैसे — पहाड़, झील, नगर, सड़क आदि।

संज्ञा के भेद — 03

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा (2) जातिवाचक संज्ञा (3) भाव वाचक संज्ञा

व्यक्तिवाचक संज्ञा

"जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु का बोध होता है। उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं।" जैसे — पूजा, श्रीकृष्ण, हिमालय, ताजमहल, रामायण आदि।

जातिवाचक संज्ञा

"जिस संज्ञा शब्द से एक ही प्रकार के सभी प्राणियों व वस्तु का बोध होता है, उसे 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं।"

जातिवाचक संज्ञा के दो उपभेद

(1) द्रव्यवाचक संज्ञा → द्रव्य/धातु/पदार्थ का बोध
द्रव्य → घी, दूध, जल तेल।
धातु → सोना, तांबा, पीतल।
पदार्थ → मक्का, लकड़ी, चावल।

(2) समूहवाचक /समुदायवाचक संज्ञा
"समूह का बोध कराने वाले शब्द"
जैसे - परिवार, भीड़, कक्षा, दल आदि।

भाववाचक संज्ञा

"जिन शब्दों से पदार्थों की अवस्था, गुण-दोष, धर्म, व्यापार का बोध"
जैसे — बुढ़ापा, ऊँचाई, मानवता, लड़कपन आदि।

end

Scanned with CamScanner